शिव पंचाक्षर स्तोत्र (नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय) अर्थ सहित: पूरा पाठ, हिंदी अर्थ और पाठ विधि

26 नवंबर 2026 • पढ़ने में 6 मिनट स्तोत्र मंत्र जाप ॐ नमः शिवाय

शिव पंचाक्षर स्तोत्र "नमः शिवाय" के पाँच अक्षरों (न, म, शि, वा, य) की स्तुति है: हर श्लोक एक अक्षर पर। परंपरा में इसे आदि शंकराचार्य की रचना माना जाता है। नीचे पूरा संस्कृत पाठ, हर श्लोक का सरल हिंदी अर्थ, और पाठ की आसान विधि है।

🙏 पूरी कथा YouTube पर देखिए: अंत तक देखें, 👍 लाइक करें और 💬 कमेंट में 'ॐ नमः शिवाय' लिखें। इससे यह कथा और भक्तों तक पहुँचती है।

YouTube पर पूरा वीडियो

सब्सक्राइब करें 🔔

▶️ ॐ नमः शिवाय 1008 बार, गिनती के साथ, अपनी आवाज़ में: YouTube पर देखें

🔸 शिव पंचाक्षर स्तोत्र: पूरा पाठ (8 लिपियों में)

देवनागरी | English | বাংলা | ଓଡ଼ିଆ | తెలుగు | ಕನ್ನಡ | മലയാളം | தமிழ்

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय

भस्माङ्गरागाय महेश्वराय ।

नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय

तस्मै नकाराय नमः शिवाय ॥ १ ॥

मन्दाकिनीसलिलचन्दनचर्चिताय

नन्दीश्वरप्रमथनाथमहेश्वराय ।

मन्दारमुख्यबहुपुष्पसुपूजिताय

तस्मै मकाराय नमः शिवाय ॥ २ ॥

शिवाय गौरीवदनाब्जबृन्द-

सूर्याय दक्षाध्वरनाशकाय ।

श्रीनीलकण्ठाय वृषध्वजाय

तस्मै शिकाराय नमः शिवाय ॥ ३ ॥

वसिष्ठकुम्भोद्भवगौतमार्य-

मुनीन्द्रदेवार्चितशेखराय ।

चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनाय

तस्मै वकाराय नमः शिवाय ॥ ४ ॥

यक्षस्वरूपाय जटाधराय

पिनाकहस्ताय सनातनाय ।

दिव्याय देवाय दिगम्बराय

तस्मै यकाराय नमः शिवाय ॥ ५ ॥

पञ्चाक्षरमिदं पुण्यं यः पठेच्छिवसन्निधौ ।

शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते ॥

लिपि बदलने से शब्द नहीं बदलते: वही संस्कृत पाठ, आपकी लिपि में (अक्षर-से-अक्षर रूपांतरण)। तमिल में छोटे अंक संस्कृत ध्वनियाँ दिखाते हैं। आवाज़ आपके फ़ोन/कंप्यूटर की अपनी मशीन-आवाज़ है; सही उच्चारण के लिए हमारे वीडियो सुनें।

सुनें (पंक्ति-दर-पंक्ति) ■ रोकें गति सामान्य

डिजिटल माला: ॐ नमः शिवाय

0

माला पूरी: 0 • कुल जप: 0

जप

फिर से शुरू



शिव-पार्वती, पहाड़ी चित्रकला (public domain, Wikimedia Commons)

श्लोक और हिंदी अर्थ

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय

भस्माङ्गरागाय महेश्वराय ।

नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय

तस्मै नकाराय नमः शिवाय ॥ १ ॥

अर्थ (1): जिनके गले में नागराज का हार है, जो तीन नेत्रों वाले हैं, जिनके अंगों पर भस्म का लेप है, जो महेश्वर, नित्य, शुद्ध और दिगंबर हैं, उन 'न' अक्षर स्वरूप शिव को नमस्कार।

मन्दाकिनीसलिलचन्दनचर्चिताय
नन्दीश्वरप्रमथनाथमहेश्वराय ।
मन्दारमुख्यबहुपुष्पसुपूजिताय
तस्मै मकाराय नमः शिवाय ॥ २ ॥

अर्थ (2): जो मंदाकिनी (गंगा) के जल और चंदन से पूजित हैं, नंदीश्वर और प्रमथ गणों के स्वामी महेश्वर हैं, मंदार आदि अनेक फूलों से जिनकी पूजा होती है, उन 'म' अक्षर स्वरूप शिव को नमस्कार।

शिवाय गौरीवदनाब्जबृन्द-
सूर्याय दक्षाध्वरनाशकाय ।
श्रीनीलकण्ठाय वृषध्वजाय
तस्मै शिकाराय नमः शिवाय ॥ ३ ॥

अर्थ (3): जो कल्याण स्वरूप हैं, माता गौरी के मुख-कमल को खिलाने वाले सूर्य हैं, दक्ष के यज्ञ का नाश करने वाले हैं, नीलकंठ हैं और जिनकी ध्वजा पर वृषभ (नंदी) है, उन 'शि' अक्षर स्वरूप शिव को नमस्कार।

वसिष्ठकुम्भोद्भवगौतमार्य-
मुनीन्द्रदेवार्चितशेखराय ।
चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनाय
तस्मै वकाराय नमः शिवाय ॥ ४ ॥

अर्थ (4): वसिष्ठ, अगस्त्य (कुम्भोद्भव), गौतम आदि श्रेष्ठ मुनि और देवता जिनके मस्तक की पूजा करते हैं, चंद्रमा, सूर्य और अग्नि जिनके तीन नेत्र हैं, उन 'व' अक्षर स्वरूप शिव को नमस्कार।

> यक्षस्वरूपाय जटाधराय
>
> पिनाकहस्ताय सनातनाय ।
>
> दिव्याय देवाय दिगम्बराय
>
> तस्मै यकाराय नमः शिवाय ॥ ५ ॥

अर्थ (5): जो यक्ष स्वरूप हैं, जटाधारी हैं, हाथ में पिनाक धनुष धारण करते हैं, सनातन, दिव्य, देव और दिगंबर हैं, उन 'य' अक्षर स्वरूप शिव को नमस्कार।

> पञ्चाक्षरमिदं पुण्यं यः पठेच्छिवसन्निधौ ।
>
> शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते ॥

अर्थ (6): (फलश्रुति) जो शिव के समीप इस पुण्य पंचाक्षर स्तोत्र का पाठ करता है, वह शिवलोक पाता है और शिव के साथ आनंदित होता है।

पाठ कैसे करें

- सुबह स्नान के बाद या प्रदोष (संध्या) के समय, शिवलिंग या शिव चित्र के सामने दीया जलाकर।
- पहले तीन बार "ॐ नमः शिवाय" बोलें, फिर पाँचों श्लोक, अंत में फलश्रुति।
- सोमवार और प्रदोष को विशेष रूप से। उच्चारण धीरे और साफ़ रखें; अर्थ मन में रखें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

शिव पंचाक्षर स्तोत्र किसने लिखा?

परंपरा में इसे आदि शंकराचार्य की रचना माना जाता है; 1953 के बृहत्स्तोत्ररत्नाकर संस्करण में भी इसे शंकराचार्य

विरचित कहा गया है।

पंचाक्षर मंत्र क्या है?

"नमः शिवाय": न, मः, शि, वा, य, पाँच अक्षर। आगे ॐ लगाने पर "ॐ नमः शिवाय"।

इसका पाठ कब करें?

रोज़ सुबह या संध्या, विशेष रूप से सोमवार और प्रदोष के दिन।

🔱 कथा, जाप और स्तोत्र अपनी आवाज़ में: शिव कैलाशा YouTube चैनल

रोज़ एक कथा या जाप WhatsApp पर: शिव कैलाशा WhatsApp चैनल से जुड़ें